Dr DHANVIR PRASAD

ASSISTANT PROFESSOR (G-T)

.M.J COLLEGE DONWARIHAT(KHUTONA)MADHUBANI

DEPT.OF.PSYCHOLOGY

L.N.M.U DARBHANGA

MOBILE NO:- 6206696451

E-MAIL- dhabeerparasad@gmail.com

TYPES OF INTELLIGENCE

थार्नडाइक ने बुद्धि को कई वर्गों में विभाजित किया है-

1. प्रत्यक्ष बुद्धि-

इसमें व्यक्ति को वस्तुओं एवं पदार्थों को भली प्रकार समझने की शक्ति होती है ।यह बुद्धि बालक की शैशवावस्था से ही प्रतीत होने लगती है, अक्सर यह देखा गया है कि बालक खिलोने तथा अन्य वस्तुओं को तोड़कर अथवा खोलकर उसको जोड़ने या नया कुछ बनाने का प्रयास करने लगता है ।अतः यह कहा जा सकता है कि ऐसे बालक अच्छे कारीगर बनते हैं ।

2. अप्रत्यक्ष बुद्धि-

इस बुद्धि का ज्ञान प्राप्त करने से संबंध होता है ।इस बुद्धि का प्रयोग पुस्तकीय ज्ञान, प्रतीकों तथा चिन्हों को समझने में किया जाता है ।साहित्यकार अथवा कवि इसीप्रकार की बुद्धि का प्रयोग करते हैं ।अमूर्त बुद्धि कक्षा में ज्ञान प्राप्त करने में सहायक होती है ।

3. सामाजिक बुद्धि-

सामाजिक बुद्धि का तात्पर्य व्यक्ति को समाज के अनुकूल बनाने की क्षमता से है। इसके द्वारा व्यक्ति समझकर उसके अनुसार व्यवहार करने लगता है ।सामाजिक बुद्धि रखने वाला व्यक्ति सामाजिक एवं सामुदायिक कार्य को भली प्रकार करने में रूचि रखता है ।परिस्थितियों के अनुकूल समाज में सामंजस्य स्थापित करना इस बुद्धि का देन है ।सामाजिक बुद्धि वाला व्यक्ति दूसरों को जल्दी प्रभावित करने की क्षमता रखता है । राजनीतिज्ञों अथवा समाज-सुधारकों में सामान्यतया इस बुद्धि की प्रधानता पायी जाती है ।

4. अमूर्त बुद्धि-

जो बुद्धि अमूर्त समस्याओं के समाधान में सहायक होती है, उसे अमूर्त बुद्धि कहते हैं । इस प्रकार बुद्धि का मापन शाब्दिक परीक्षण द्वारा अधिक होता है । दार्शनिकों, कलाकारों आद में यह बुद्धि अधिक पाई जाती है ।

5. मूर्त बुद्धि-

जो बुद्धि मूर्त विषयों या समस्याओं के समाधान में सहायक होती है, उसे मूर्त बुद्धि कहते हैं ।इस बुद्धि का मापन अशाब्दिक परीक्षण से अधिक होता है । यह बुद्धि अभियंता, बढई आदि में अधिक पाई जाती है